आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 01.10.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वृद्धजनों को सम्मानित किया।
- हज कमेटी ऑफ इंडिया ने उत्तराखण्ड की प्रतीक्षा सूची में शामिल सभी 142 हज आवेदकों का चयन किया।
- सरकार ने एकीकृत पेंशन योजना यूपीएस का विकल्प चुनने की समय सीमा 30 नवंबर तक बढाई।
- राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में दुर्गा नवमी पारंपरिक उल्लास के साथ मनाई जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य व केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बुजुर्गों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आज देहरादून में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी वरिष्ठ नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर उन्होंने वृद्धजनों को सम्मानित किया और वरिष्ठ नागरिक सम्मान संकल्प भी दिलाया। मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम पर पौधा रोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने वृद्धजनों की सेवा के लिए समर्पित निःशुल्क एंबुलेंस वैन और वृद्धजनों की वॉकथन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज के स्तंभ हैं, जिनका आशीर्वाद और अनुभव समस्त समाज के लिए मार्गदर्शक होता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के कल्याण और देखभाल के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

हज आवेदक चयन

हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा उत्तराखण्ड की प्रतीक्षा सूची में शामिल सभी 142 हज आवेदकों का चयन कर लिया गया है। अब प्रदेश में कोई हज आवेदक प्रतीक्षा सूची में नही रहा है। हज अधिशासी अधिकारी मोहम्मद आरिफ ने यह जानकारी देते हुए बताया कि चयनित हज आवेदकों को एक लाख बावन हजार तीन सौ रुपये पहली किस्त के रूप में 11 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी। यह राशि भारतीय स्टेट बैंक या यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में हज कमेटी ऑफ इंडिया के खाते में जमा की जा सकती है।

चयनित आवेदकों को मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस सर्टिफिकेट, हज आवेदन पत्र की प्रति के साथ ही सभी अन्य आवश्यक दस्तावेज, 16 अक्टूबर तक उत्तराखण्ड राज्य हज समिति, हज हाउस पिरान कलियर में जमा करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य का कोई भी हज आवेदक प्रतीक्षा सूची में शेष नहीं रहा है।

आईआईटी रुड़की

आईआईटी रुड़की ने एमटेक–प्रो टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड को उन्नत एंटीना तकनीक हस्तांतरित की है। इससे वायरलेस संचार व अनुप्रयुक्त विद्युत चुंबकीय क्षेत्र में उद्योग–अकादमिक साझेदारी और मजबूत होगी। यह तकनीक आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर गौरीश बसवराजप्पा और कल्याण मोहन पटनायक द्वारा विकसित की गई है। प्रमुख आविष्कारक प्रोफेसर बसवराजप्पा ने कहा कि यह तकनीक एंटीना के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका प्रस्तुत करती है, जो अगली पीढ़ी के वायरलेस सिस्टम में महत्वपूर्ण हो सकता है। एमटेकप्रो टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि तैय्यब ज़िया अहमद और दीपा गोयल ने कहा कि इस लाभ संवर्धन समाधान में औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए अपार संभावनाएं हैं। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रोफेसर के.के पंत ने कहा कि आईआईटी रुड़की में हम इस बात पर ज़ोर देते हैं कि शोध के परिणाम समाज के लिए ठोस मूल्य पैदा करें। यह इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे आईआईटी रुड़की के शोधकर्ता नवीन समाधानों के साथ उद्योग की चुनौतियों का समाधान करते हैं। यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, आईआईटी रुड़की के प्रभावशाली अकादमिक–उद्योग साझेदारी को उत्प्रेरित करने और प्रयोगशाला से वास्तविक दुनिया में तैनाती के लिए टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के प्रयासों में एक और सफल अध्याय का प्रतीक है।

एकीकृत पेशन योजना

सरकार ने पात्र मौजूदा कर्मचारियों, पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों और दिवंगत पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कानूनी रूप से विवाहित जीवनसाथी के लिए एकीकृत पेंशन योजना– यूपीएस के लिए विकल्प चुनने की अंतिम तिथि दो महीने बढ़ाकर 30 नवंबर तक कर दी है। पहले यह अंतिम तिथि तीस सितंबर थी। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा गया है कि यूपीएस के अंतर्गत हाल ही में कई सकारात्मक बदलावों की घोषणा की गई है, जिनमें स्विच विकल्प, इस्तीफे पर लाभ, अनिवार्य सेवानिवृत्ति और कर छूट शामिल हैं।

नवमी

राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में आज दुर्गा नवमी पारंपरिक उल्लास के साथ मनाई जा रही है। श्रद्धालु, देवी दुर्गा के नौवें और अंतिम स्वरूप, माँ सिद्धिदात्री की पूजा कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न दुर्गा मंदिरों और शक्तिपीठों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, माता की पूजा–अर्चना कर रहे हैं। इसके अलावा लोग अपने घरों में कन्याओं का पूजन कर रहे हैं।

वहीं, महाअष्टमी के दिन बाबा बागनाथ की नगरी बागेश्वर में कल शाम दीपोत्सव के साथ मां सरयू की भव्य आरती की गई। बड़ी संख्या में भक्तों ने सरयू आरती में भाग लिया। सरयू किनारे ग्यारह हजार दीपों से नगर रोशनी में जगमगा गया। लोगों ने आतिशबाजी का भी जमकर लुत्फ उठाया। भक्तों ने सरयू के दोनों तटों पर दीप जलाकर भव्य दीपदान किया। दुर्गा और देवी पूजा पंडालों में भक्तों ने मां दुर्गा की आरती वंदना की। दुर्गा महोत्सव समिति से जुड़े नवीन लोहनी ने कहा कि दीप महोत्सव से हर किसी को अच्छाई रूपी रोशनी ग्रहण करने का संदेश मिलता है।

भारतीय मानक ब्यूरो

विश्व मानक दिवस– 2025 के उपलक्ष्य में भारतीय मानक ब्यूरो, बीआईएस देहरादून की ओर से सचिवालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीआईएस, देहरादून के निदेशक व प्रमुख सौरभ तिवारी ने कहा कि इन दिनों त्यौहारों का मौसम चल रहा है और बड़ी संख्या में उपभोक्ता विभिन्न उत्पादों सहित सोने और चांदी के आभूषण खरीद रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसे समय में उपभोक्ताओं को उत्पादों और आभूषण खरीदते समय बीआईएस के मानकों की जानकारी और उसकी प्रमाणिकता की जांच अवश्य करनी चाहिए।

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ

पौड़ी जिला मुख्यालय के स्कूली बच्चों ने ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ'' अभियान के तहत जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया से मुलाकात की। इस दौरान बच्चों ने जिला कार्यालय में होने वाले कार्यों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बच्चों से बातचीत करते हुए उनके भविष्य और करियर की योजनाओं के बारे में जानकारी ली और उन्हें सही मार्ग चुनने की प्रेरणा दी। जिलाधिकारी ने बच्चों को जिला कार्यालय के विभिन्न पटलों जैसे– भूलेख, पेंशन, यूसीसी आदि का भ्रमण कराया और वहां होने वाले कार्यों से अवगत कराया। विभिन्न अनुभागों में बालिकाओं को कार्यालयी प्रक्रिया और कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने बाल विभाग को निर्देश दिये कि 40–40 बच्चों के समूह बनाकर उन्हें जिला स्तरीय कार्यालयों और थानों का भ्रमण कराया जाय। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों को सरकारी कार्य प्रणाली की जानकारी मिल सकेगी, कि किस तरह कार्यालयों में कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि आसपास के विकासखंडों और तहसीलों के बच्चों को भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल किया जाय, ताकि वे प्रशासनिक कार्यों को समझ सकें और अपने भविष्य की दिशा तय कर सकें।